भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न सं. *13
सोमवार, 18 जुलाई, 2022/27 आषाढ़, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में प्रसाद योजना के अंतर्गत परियोजनाएं

***13.** **श्री विनायक भाऊराव राऊतः**
श्री कृपाल बालाजी तुमानेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महाराष्ट्र में तीर्थ यात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत चयनित कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों में कितनी परियोजनाएं पूरी की गई हैं और अब तक जारी की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग तथा रामटेक-नागपुर जिलों में किसी परियोजना से संबंधित विकास कार्य आरंभ किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत कितनी परियोजनाएं आरंभ की जानी हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा उपर्युक्त परियोजनाओं को शीघ्रातिशीघ्र पूरा करने के लिए क्या त्वरित कार्रवाई की गई है तथा इन परियोजनाओं को कब तक पूरा किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (ड.) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

महाराष्ट्र में प्रसाद योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 18.07.2022 के लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *13 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

(क) और (ख) : राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार महाराष्ट्र राज्य के लिए पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत जनवरी, 2018 में 37.81 करोड़ रु. की लागत से त्रियम्बकेश्वर, नासिक के विकास की एक परियोजना को अनुमोदन प्रदान किया गया है । फरवरी, 2022 में 52.92 करोड़ रु. की लागत से इस परियोजना को संशोधित किया गया है । अद्यतन स्थिति के अनुसार इस परियोजना के लिए 24.23 करोड़ रु. की राशि जारी की गई है ।

(ग) : रत्नागिरि – सिन्धुदुर्ग और रामटेक – नागपुर जिले में प्रशाद योजना के अंतर्गत विकास हेतु किसी भी परियोजना को अनुमोदित नहीं किया गया है तथापि वर्ष 2016 में इस मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक परियोजना यथा सिन्धुदुर्ग तटीय परिपथ (शिरोडा बीच, सागरेश्वर, तरकार्ली, विजय दुर्ग (बीच तथा क्रीक), देवगढ़ (किला और बीच), मितभाव, तोंडावली, मोसेहमद और निवाती किला) के विकास को अनुमोदन प्रदान किया गया है । इस परियोजना की मौजूदा संशोधित लागत 19.06 करोड़ रु. है । इस परियोजना में अनुमोदित घटकों का भौतिक रूप से कार्यान्वयन पूरा हो गया है ।

(घ) : पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के अंतर्गत परियोजना के विकास हेतु नये गंतव्यों/स्थानों का चयन और अनुमोदन एक सतत प्रक्रिया है जो संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप उपयुक्त प्रस्ताव प्राप्त होने पर पूर्ण की जाती है ।

(ड.) : परियोजनाओं की कार्यान्वयन की रियल टाइम निगरानी के लिए एक आंतरिक डैशबोर्ड तैयार किया गया है । इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति के संबंध में आवधिक रूप से समीक्षा भी की जाती है और आवश्यकतानुसार संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को आवश्यक निर्देश/परामर्श दिया जाता है । संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा रिपोर्ट की गई भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जांच करने के लिए मंत्रालय की टीमों द्वारा साइट का दौरा भी किया जाता है । आवश्यकता पड़ने पर यह मंत्रालय संबंधित एजेंसियों से अपेक्षित सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त करने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता भी करता है ।

*****